रजिस्ट्री सं. डी. (डी-एन.)-127 REGISTERED NO. D. (D.N.) 127

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 217] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जून 7, 1990/ज्येष्ठ 17, 1912
No. 217] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 7, 1990/JYAISTHA 17, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 जून, 1990

रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1990

सा.का.नि. 552 (अ):—केन्द्रीय सरकार, साधारण खंड अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के साथ पठित रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) की धारा 129 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1989 को अधिक्रांत करते हुए, सिवाय उन बातों की बाबत जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रेल दुर्घटना (प्रतिकर) नियम, 1990 है।

(2) ये, अधिनियम के प्रारम्भ की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) "दुर्घटना" से अधिनियम की धारा 124 में वर्णित प्रकृति की दुर्घटना अभिप्रेत है।

(ख) "अधिनियम" से रेल अधिनियम, (1989) (1989 का 24) अभिप्रेत है।

(ग) "अधिकरण" से रेल दावा अधिकरण अधिनियम, 1987 (1987 का 54) की धारा 3 के अधीन स्थापित रेल दावा अधिकरण अभिप्रेत है।

(घ) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है, और

(ङ) उन शब्दों और पदों के, जो इनमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके अधिनियम में हैं।

प्रतिकर के लिए दावे

3. प्रतिकर की रकम:—(1) मृत्यु या क्षति की बाबत संदेय प्रतिकर की रकम वह होगी जो अनुसूची में विनिर्दिष्ट है।

(2) किसी ऐसी क्षति के लिए जो अनुसूची के भाग 2 या भाग 3 में विनिर्दिष्ट नहीं है किन्तु जो दावा अधिकरण की राय में ऐसी है जिससे कोई व्यक्ति किसी कार्य को न करने की सभी क्षमता से वंचित हो जाता है, संदेय प्रतिकर की रकम दो लाख रुपए होगी।

3. रेल प्रशासन का धनीय दायित्व:—(1) जहां कोई रेल प्रशासन किसी परेषण की हानि, नुकसान, नाश क्षय या अपरिदान के लिए उत्तरदायी है वहां ऐसी हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान के संबंध में ऐसे रेल प्रशासन के दायित्व की रकम, जब तक कि प्रेषक ने उसके मूल्य को घोषित न किया हो और ऐसे परेषण के अतिरिक्त मूल्य पर प्रतिशत प्रभार संदत्त न किए हों।

(i) किसी ऐसे परेषण की दशा में जिसमें जीवजन्तु हैं, अनुसूची 1 में विनिर्दिष्ट रकम से; या

(ii) किसी ऐसे परेषण की दशा में जिसमें यात्री सामान है सौ रुपए प्रति किलोग्राम की दर से परिगणित रकम से; या

(iii) उपर खण्ड (i) और (ii) में निर्दिष्ट से भिन्न किसी परेषण की दशा में पचास रुपए प्रति किलोग्राम की दर से परिगणित रकम से,

अधिक नहीं होगी।

(2) जहां कोई रेल प्रशासन किसी परेषण की हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान के लिए उत्तरदायी है और परेषक ने वहन के लिए सौंपे जाने के समय ऐसे परेषण का मूल्य घोषित किया है और अनुसूची 2 के यथास्थिति भाग 1 या भाग 2 में विनिर्दिष्ट दर पर अतिरिक्त मूल्य पर प्रतिशत प्रभार संदत्त किया है, वहां ऐसे परेषण की हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान के लिए किसी रेल प्रशासन के दायित्व की रकम इस प्रकार घोषित मूल्य से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण 1

जहां किसी परेषण के वहन के संबंध में भाड़ा उसके वास्तविक वजन से अन्यथा किसी आधार पर प्रभार्य है वहां किसी रेल प्रशासन के दायित्व की रकम का अवधारण ऐसे परेषण के वास्तविक वजन के प्रति निर्देश से किया जाएगा।

स्पष्टीकरण 2

जहां हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान किसी परेषण के केवल भाग के संबंध में है वहां किसी रेल प्रशासन के दायित्व की रकम का अवधारण करने के लिए, विचारणार्थ लिया जाने वाला वजन वह वजन होगा जब तक कि ऐसी हानि, नुकसान, नाश, क्षय या अपरिदान से सम्पूर्ण परेषण के मूल्य पर प्रभाव न पड़ता हो।

4. वहन के लिए कतिपय माल का तब तक स्वीकार न किया जाना जब तक कि प्रतिशत प्रभार का संदाय न कर दिया गया हो :— कोई रेल प्रशासन अनुसूची 2 के भाग 1 में विनिर्दिष्ट माल को वहन के लिए तब तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक कि एक परेषक से ऐसे माल के मूल्य की घोषणा नहीं करता है और अनुसूची 2 के स्तम्भ 2 में वर्णित रूप में ऐसे माल को लागू प्रतिशत प्रभार का संदाय नहीं करता है।

[सं. 89/टी सी III/1/6/आर ए-89 आर(/103]

एस. के मालिक संयुक्त निदेशक
(आर ए आर) (रेलवे बोर्ड)

अनुसूची 1

जीव जन्तुओं का वर्णन	रेल प्रशासन के उत्तरदायित्व का विस्तार (रुपयों में)
हाथी	6,000
घोड़े,	3,000
खच्चर, सींगदार पशु या ऊंट	800
कुत्ते, गधे, बकरियां, सूअर, भेड़ या अन्य ऐसे पशु जो ऊपर वर्णित नहीं है या चिड़िया	120

अनुसूची 2

माल का विवरण	प्रतिशत प्रभार की दर
भाग-1	
1	2
1. सोना	अतिरिक्त मूल्य के अधिकतम
2. चांदी	1 प्रतिशत के अधीन रहते हुए
3 मोती	प्रति 160 किलोमीटर या उसके
4. बहुमूल्य रत्न	भाग के लिए अतिरिक्त
5. आभूषण	मूल्य पर प्रति 100 रुपए या
6. करेंसी नोट और सिक्के	उसके भाग के लिए 13 पैसे
7 सरकारी स्टाम्प	
भाग-2	
भाग 1 में विनिर्दिष्ट से अन्यथा	माल अतिरिक्त मूल्य के अधिकतम 1 प्रतिशत के अधीन रहते हुए प्रति 160 किलोमीटर या उसके भाग के लिए अतिरिक्त मूल्य पर प्रति 100 रुपए या उसके भाग के लिए 5 पैसे।

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 1990

RAILWAYS (EXTENT OF MONETARY LIABILITY AND PRESCRIPTION OF PERCENTAGE CHARGE) RULES, 1990

G.S.R. 557(E) :—In exercise of powers conferred by sub-section (1) and clause (c) of sub-section (2) of section 112 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) read with section 2 of the General Clauses Act, 1987 (10 of 1987), the Central Government hereby makes the following Rules namely :

1. Short Title and Commencement :—(1) These rules may be calledthe Railways (Extent of Monetary Liability and Prescription of Percentage Charge) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of commencement of the Act.

2. Definitions :—In these Rules unless the context otherwise requires :

(a) "Act" means the Railways Act, 1989 (24 of 1989).

(32) श्रोणी का अस्थि-भंग जिसके संधि अंतर्ग्रस्त न हो	
(33) बड़ी हड्डी फीमर टीबिया का एक भाग में अस्थि-भंग	20.000
(34) बड़ी हड्डी ह्यूमेरस रेडियस अलना के एक भाग अस्थि-भंग	10 000

[सं. 82/टी सी-II/1028/23 भाई आर ए]

एस.के. मलिक संयुक्त, निदेशक (आर आर)

(रेलवे बोर्ड)

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

NOTIFICATION

New Delhi, the 7th June, 1990

RAILWAY ACCIDENTS (COMPENSATION) RULES, 1990

G.S.R. 552 (E):—In exercise of the powers conferred by section 129 of the Railways Act, 1989 (24 of 1989) read with section 22 of the General Clauses Act (10 of 1897) and in supersession of the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1989 except in respect of things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules namely:

PRELIMINARY

1. Short-title and Commencement: (1) These rules may be called the Railway Accidents (Compensation) Rules, 1990.

(2) They shall come into force on the date of commencement of the Act.

2. Definitions: In these rules, unless the context otherwise requires:

(a) "accident" means an accident of the nature described in section 124 of the Act;

(b) 'Act' means the Railways Act, 1989 (24 of 1989);

(c) "Claims Tribunal" means the Railway Claims Tribunal established under section 3 of the Railway Claims Tribunal Act, 1987 (54 of 1987);

(d) "Schedule" means the schedule to these rules; and

(e) Words and expressions used herein and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them in the Act;

CLAIMS FOR COMPENSATION

3. Amount of Compensation: (1) The amount of compensation payable in respect of death for injuries, shall be as specified in the Schedule.

(2) The amount of compensation payable for an injury not specified in Part II or Part III of the Schedule but which, in the opinion of the Claims Tribunal is such as to deprive a person of all capacity to do any work, shall be rupees two lakhs.

(3) The amount of compensation payable in respect of any injury (other than an injury specified in the Schedule or referred to in sub-rule (2) resulting in pain and suffering, shall be such as the Claims Tribunal may after taking into consideration medical evidence, besides other circumstances of the case, determine to be reasonable;

Provided that if more than one injury is caused by the same accident, compensation shall be payable in respect of each such injury;

Provided further that the total compensation in respect of all such injuries shall not exceed rupees forty thousand.

(4) Where compensation has been paid for any injury which is less than the amount which would have been payable as compensation if the injured person had died and the person subsequently dies as a result of the injury, a further compensation equal to the difference between the amount payable for death and the already paid shall become payable.

(5) Compensation for loss, destruction or deterioration of goods or animals shall be paid to such extent as the Claims Tribunal may, in all the circumstances of the case, determine to be reasonable

4. Limit of Compensation: Nothwithstanding any thing contained in rule 3, the total compensation payable under that rule shall in no case exceed rupees two lakh in respect of any one person.

SCHEDULE

(See Rule 3)

COMPENSATION PAYABLE FOR DEATH AND INJURIES

	Amount of compensation (in Rs.)
PART I	
For death	2,00,000
PART II	
(1) For loss of both hands or amputation at higher sites	2,00,000

(2) For loss of hand and foot	2,00,000
(3) For double amputation through leg or thigh or amputation through leg or thigh on one side and loss of other foot.	2,00,000
(4) For loss of sight to such an extent as to render the claimant unable to perform any work for which eye sight is essential	2,00,000
(5) For very severe facial disfigurement	2,00,000
(6) For absolute deafness	2,00,000

PART III

(i) For amputation through shoulder joint	1,80,000
(2) For amputation below shoulder with stump less than 8" from tip of acromion	1,60,000
(3) For amputation from 8" from tip of acromion to less than 4½" below tip of olecranon	1,40,000
(4) For loss of a hand or the thumb and four fingers of one hand or amputation from 4½" below tip of olecranon	1,20,000
(5) For loss of thumb	60,000
(6) For loss of thumb and its metacarpal bone	80,000
(7) For loss of four fingers of one hand	1,00,000
(8) For loss of three fingers of one hand	60,000
(9) For loss of two fingers of one hand	40,000
(10) For loss of terminal phalanx of thumb	40,000
(11) For amputation of both feet resulting in end bearing stumps	1,80,000
(12) For amputation through both feet proximal to the metatarsophalangeal joint	1,60,000
(13) For loss of all toes of both feet through the metatarso-phalanageal joint	80,000
(14) For loss of all toes of both feet proximal to the proximal interphalangeal joint	60,000
(15) For loss of all toes of both feet distal to the proximal inter-phelangeal joint	40,000
(16) For amputation of hip	1,80,000
(17) For amputation below hip with stump not exceeding 5" in length measured from hip of great trenchanter	1,60,000
(18) For amputation below hip with stump exceeding 5" in length measured from tip of great trenchanter but not beyond middle thigh	1,40,000
(19) For amputation below middle thigh to 3½" below knee	1,20000
(20) For amputation below knee with stump exceeding 3½" but not exceeding 5"	1,00,000
(21) Fracture of Spine with Paraplegia	1,00,000
(22) For amputation below knee with stump exceeding 5"	80,000
(23) For loss of one eye without complications the other being normal	80,000
(24) For amputation of one foot resulting in end-bearing	60,000
(25) For amputation through one foot proximal to the emetatarso-phalangeal joint	60,000
(26) Fracture of Spine without paraplegia	60,000
(27) For loss of vision of one eye without complications of disfigurement of eye ball, the other being normal	60,000
(28) For loss of all toes of one foot through the metatarso-phalangeal joint	40,000
(29) Fracture of Hip-joint	40,000
(30) Fracture of Major Bone Femur Tibia Both limbs	40,000
(31) Fracture of Major Bone Humerus Radius Both limbs	30,000
(32) Fracture of Pelvis not involving joint	20,000
(33) Fracture of Major Bone Femur Tibia One limb	20,000
(34) Fracture of Major Bone Humerus Radius Ulna One limb	16,000

[No.82/TGII/1026/22/IRA]

S.K. MALIK, Jt. Director (RAR)
(Railway Board)

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1990